



  
Rangoon  
Girly



1005



प्रायः एक ही अङ्गमें ही सफला कठिन धा, अता करवरी और मार्ग माखे  
भी प्रथमः प्रथम और वितीय परिशिष्टाणके रूपमें प्रकटित होते। दोनों परिशिष्ट  
अङ्गको  
सत्त्व,  
नी मह  
आदि  
श्रीराम  
य इस  
य थी

श्रीराम  
य इस  
कर भ  
मदि  
श्रीरामभक्तिके सुन्दर और रोचक आख्यान भी इसमें विद्यमान है। भगवान् श्रीरामकी  
प्रहस्य सानों, पर्वतों, नदियों एवं सरोवरोंका माहात्म्य तथा श्रीरामके वन-गमन ए





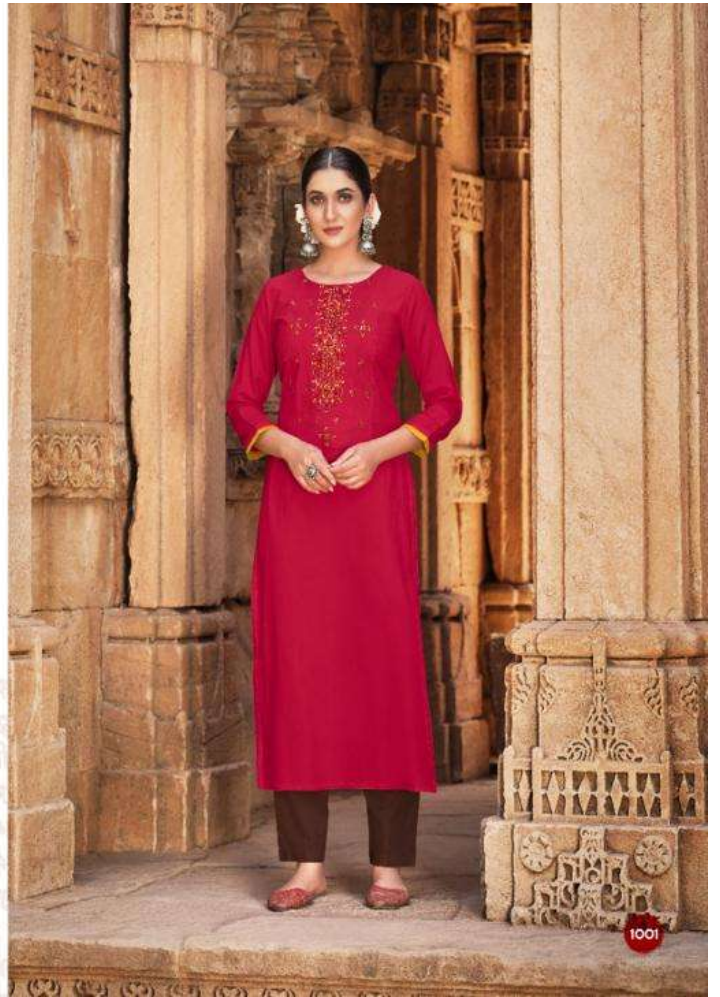
  
Rangoon  
Girly



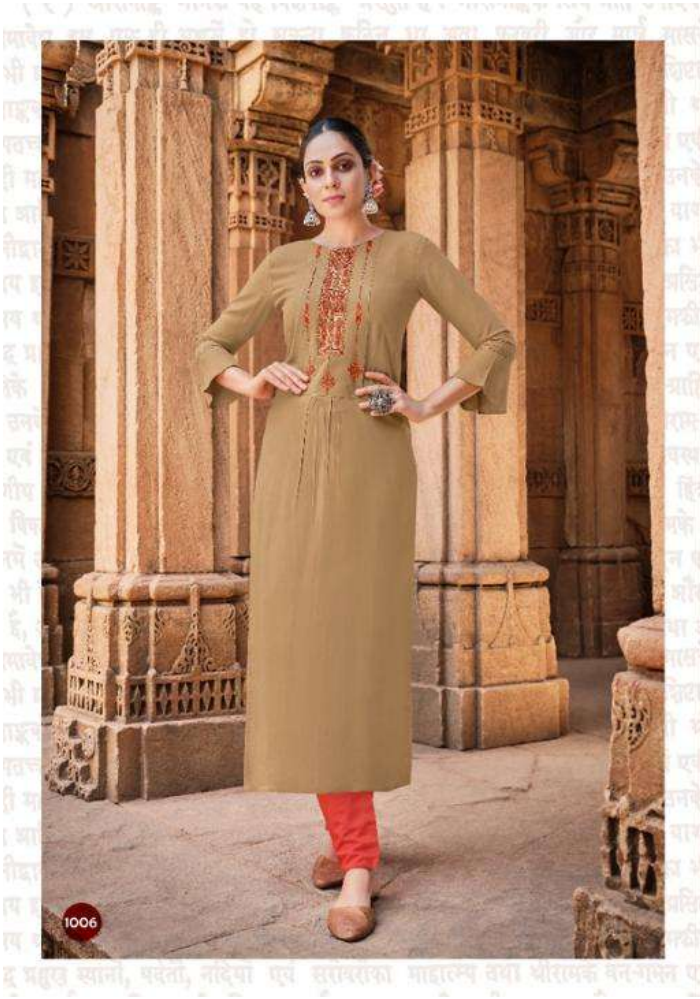
मे भगवान् भीरम और भगवती भीतीलाके  
के कीर्तनालीय आनयों विपदों पर भक्तोंके  
भीर  
भीर  
दरिद्रों  
नरिफ  
हसमें  
साहा



पि दुःख इदं न भवेत् किं च न भवेत् किं च न भवेत्  
एव भीरमभक्तके सुन्दर और रोचक आरुपा





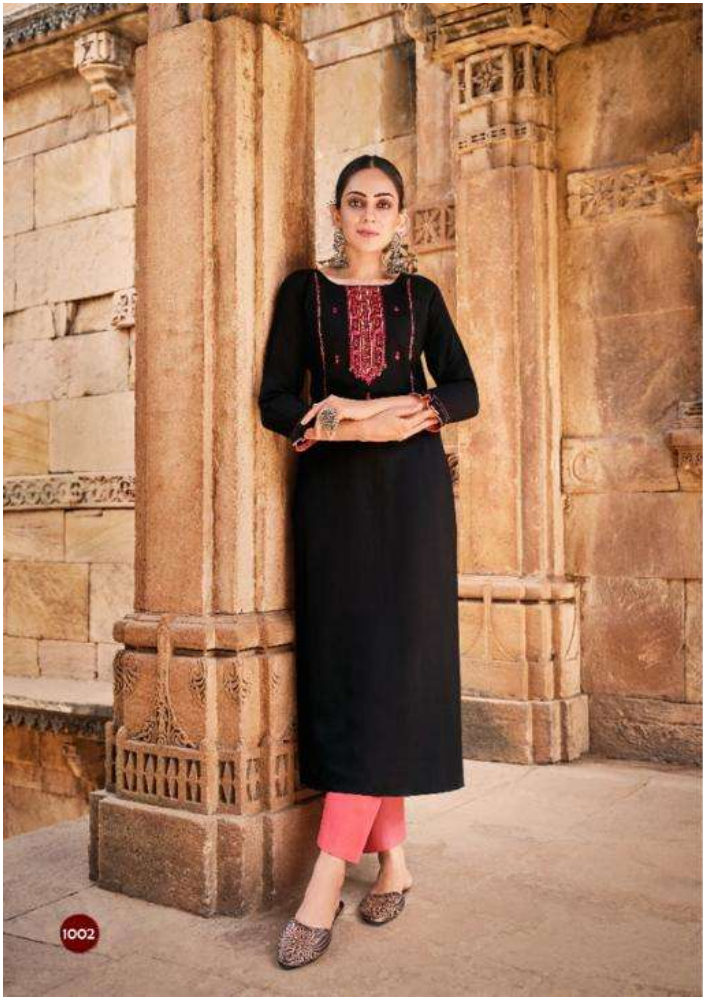


1006









( २ ) 'भारतमाहा' नामक पद्य प्रकृतम्  
मावेद्य ह्य एक ही अक्षरों ही श्रुतों व

विद्युत्  
। श्री  
तत्पर  
हुमें ४  
। है।  
के प्र  
समके  
भारतमा  
सरोव  
। है।  
मन्त्र  
वांशी  
वर्ष  
मुन  
तन ५  
तन्त्र  
माभ्या  
नर ५  
विद्युत्  
। श्री  
तत्पर  
हुमें ४  
। है।  
के प्र  
समके

( ५ ) भारतमाहाक सुन्दर नार नामक भारता  
ह प्रसुक्त स्थानों, पर्वतों, नदियों एवं सरोव